आकाशवाणी शिमला

20.03.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1800बजे

वॉकआउट

हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के महाप्रबंधक व चीफ इंजीनियर विमल नेगी की मौत के मामले में आज विधानसभा में भारी हंगामा हुआ। शिमला में चल रहे विधानसभा के बजट सत्र के दौरान आज विपक्षी दल भाजपा ने इस घटना की सीबीआई जांच की मांग को लेकर पहले सदन में हंगामा किया और बाद में सदन से वॉकआउट भी किया। दूसरी ओर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन में कहा कि सरकार इस मामले की निष्पक्ष जांच करेगी और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। विपक्ष ने इस मुददे पर नियम–67 के तहत स्थगन प्रस्ताव का नोटिया दिया था, जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने नामंजूर कर दिया। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रश्नकाल के दौरान विमल नेगी की मौत का मामला उठते हुए कहा कि सरकार को इस पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में कई गंभीर सवाल खड़े हुए है और पावर कॉरपोरेशन की कार्यप्रणाली पहले दिन से ही विवादों के घेरे में है। उन्होंने कहा कि मृतक चीफ इंजीनियर को पावर कॉरपोरेशन में मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता था। विपक्ष द्वारा यह मुददा उठाए जाने पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और उचित कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा की गई कार्रवाई से मृतक विमल नेगी की पत्नी संतुष्ट है और उन्होंने स्वयं व्यक्तिगत तौर पर उनसे बात की है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर इस सारे मामले पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन में जोरदार हंगामा किया और पूरा विपक्ष नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर चला गया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने व्यवस्था देते हुए कहा कि उन्हें विमल नेगी की मौत के मामले में भाजपा के जयराम ठाकुर, डॉ. जनकराज, रणधीर शर्मा, विपिन सिंह परमार और अन्य की और से नियम–67 के तहत स्थगन प्रस्ताव आज ही प्राप्त हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने इस मामले में पहले ही अपेक्षित कार्रवाई कर दी है। ऐसे में इस मामले को नियम–67 के तहत उठाने का अब कोई औचित्य नहीं है।

जयराम

वाकआउट के बाद नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विमल नेगी की मौत पर कई सारे सवाल हैं। इसलिए विपक्ष ने सदन में काम रोको प्रस्ताव लाया लेकिन मुख्यमंत्री ने इस विषय पर कुछ भी कहने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि एफआईआर में एक ही अधिकारी का नाम है जबकि दूसरे अधिकारी को बचाने के लिए केवल पोस्ट का नाम ही एफआईआर में है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एचपीपीसीएल की कार्यप्रणाली पिछले लंबे समय से विवादों में रही है इसलिए इस सारे मामले पर सीबीआई जांच होनी चाहिए।

प्रश्नकाल

स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा है कि 2 सौ डॉक्टरों के पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है और डॉक्टरों के पदों को भरने के लिए 16 मार्च को परीक्षा आयोजित की गई है। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक संजय अवस्थी के सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने ये बात कही। विधायक चंद्र शेखर के सवाल के जवाब में बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि एचपी शिवा परियोजना की कुल लागत एक हजार 2 सौ 92 करोड़ रुपए है जिसका 80 प्रतिशत वित्तपोषण एशियन विकास बैंक द्वारा जबकि शेष 20 प्रतिशत प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जाना है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना की अवधि जून 2028 तक निर्धारित की है और इसका कार्यान्वयन बागवानी विभाग व जल शक्ति विभाग द्वारा किया जा रहा है। जगत सिंह नेगी ने कहा कि वर्तमान में परियोजना के तहत कुल एक सौ 65 करोड़ 76 लाख रूपए खर्च किए गए है और ऋण समझौते के अनुसार खर्च की गई कुल राशि में से एक सौ 47 करोड़ 54 लाख रूपए की धनराशि एशियाई विकास बैंक से प्राप्त कर ली गई है। पशुपालन व कृषि मंत्री चन्द्र कुमार ने कहा कि मिल्क फैड ने पिछले दो साल में पशुपालकों से 3 सौ 42 करोड रूपए से अधिक दूध की खरीद की है। यह बात उन्होंने विधायक बिक्रम सिंह के सवाल के लिखित जवाब में कही।

————————————————————